International Journal of Applied and Universal Research **E-ISSN No: 2395-0269**
Volume XII, Issue III, May – June 2025 **Available online at: www.ijaur.com**
Impact Factor- 5.997

शासकीय महाविद्यालय पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकता एवं सूचना खोज व्यवहार : एक अध्ययन छिंदवाड़ा जिले के विशेष संदर्भ में

श्री चुन्नी लाल अहिरवार[1] एंव डॉ. राकेश कुमार खरे[2]
1. शोधार्थी रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र.)
2. शोध निर्देशक रबीन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय भोपाल (म.प्र.)

सारांश–: प्रस्तावित शोध शीर्षक के अंतर्गत मध्य प्रदेश के महाकौशल क्षेत्र का आदिवासी जिला छिंदवाड़ा जिसमें संचालित शासकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को सूचना की आवश्यकता तथा सूचना प्राप्त करने की प्रवृत्ति का अध्ययन किया है। जिसमें उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि के स्तर का भी आकलन किया गया। अध्ययन के माध्यम से पता चलता है कि क्षेत्र के महाविद्यालयों में उपलब्ध संसाधन एवं आधुनिक प्रौद्योगिकी किस स्तर की है। जिससे पुस्तकालयों को और अधिक साधन संपन्न तथा आधुनिक बनाया जा सके।

मुख्यशब्द–: पुस्तकालय, शासकीय महाविद्यालय, उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकता एवं खोज व्यवहार।

प्रस्तावना–:

आज का समय सूचना प्रौद्योगिकी का समय चल रहा है, जहां प्रत्येक समय सूचना उत्पन्न होती है और जिसका उपयोग भी किया जाता है। समाज या देश की प्रगति के लिए सूचना प्रमुख तत्व बन गई है। जिसकी हर समय आवश्यकता होती है। सूचनाएं हमारे व्यक्तिगत अथवा पेशेवर जीवन में प्रमुख भूमिका का निर्वहन करती है अतः व्यक्ति को प्रत्येक क्षेत्र में सूचना की आवश्यकता होती है। स्कूली विद्यार्थियों से लेकर उच्च शिक्षा प्राप्त करने वाले या उच्च शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी अथवा साधारण व्यक्ति भी अपने जीवन में हर कदम पर सही निर्णय लेने के लिए सूचना की आवश्यकता महसूस करते हैं। आज सूचना प्राप्ति के लिए आधुनिक प्रौद्योगिकी का सहारा लिया जाता है। जिसके माध्यम से कम से कम समय में सटीक सूचना प्राप्त की जा सकती है। शैक्षणिक संस्थानों में संचालित पुस्तकालय सूचना के भंडार होते हैं। उपयोगकर्ता अर्थात पाठक जहां से अपनी आवश्यक सूचनाएं भौतिक अथवा डिजिटल रूप में प्राप्त कर सकते हैं। पुस्तकालयों में उपलब्ध संसाधनों से चाही गई सूचनाएं प्राप्त करने या खोज निकालने की विधि को सूचना खोज व्यवहार कहते हैं। किसी भी शिक्षण संस्थान के पुस्तकालय महत्वपूर्ण सूचनाओं के केंद्र होते है, जहां से विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षक पुस्तकालयों में उपलब्ध संसाधनों से सूचनाएं खोज निकालते हैं। प्रौद्योगिकी के समय में पुस्तकालयों में मशीनीकरण अथवा कंप्यूटरीकारण हो गया है जिसे हम पुस्तकालय स्वचालीकारण (ऑटोमेशन) कहते हैं। पुस्तकालयों को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए प्रशिक्षित स्टाफ, आवश्यक संसाधन, वित्त, पुस्तकालय संगठन एवं प्रबंधन महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

सूचना की आवश्यकता–

समय पर प्राप्त सूचनाओं से समाज एवं परिस्थितियों को बदला जा सकता है । सूचना समाज की प्रगति का एक महत्वपूर्ण कारक है, जिसके बिना मानव जीवन शक्तिहीन हो जाता है अर्थात जिसके पास पर्याप्त जानकारी है वह शक्तिशाली है। जिसके आधार पर नवीन प्रौद्योगिकी का विकास किया जा सकता है। विद्यार्थी शिक्षक एवं अनुसंधानकर्ता विभिन्न प्रकार की सूचना एकत्रित करने के लिए पुस्तकालय जाते हैं, वहां पर उपलब्ध भौतिक एवं डिजिटल सूचनाओं से अपना समाधान खोजते हैं। आज सामाजिक, राजनीतिक, औद्योगिक, अनुसंधान, चिकित्सा, प्रौद्योगिकी जैसे सभी प्रकार के क्षेत्र में सूचना की आवश्यकता होती है।

सूचना खोज व्यवहार–

पुस्तकालय उपयोगकर्ता अपनी आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों का उपयोग कर अपनी आवश्यक सूचनाओं को ढूंढते हैं। अतः वह व्यवहार जिसमें उपयोगकर्ता अपनी सूचना आवश्यकताओं की पूर्ति करने में सक्षम होते हैं वह सूचना खोज व्यवहार कहलाता है । सूचना खोज व्यवहार शब्द व्यापक है जिसका संबंध सूचना खोजने देखने या जानने से है। सूचना खोज व्यवहार उपयोगकर्ता की आवश्यकताओं पर निर्भर करता है उसी के अनुसार सूचना खोजने के स्रोतों का चयन करता है जिससे वह एक निश्चित समय में अपनी सूचनाओं प्राप्त कर सकता है।

पुस्तकालय उपयोगकर्ता :–

पुस्तकालयों में सूचना प्राप्त करने के उद्देश्य से आने वाले सभी पाठक पुस्तकालय उपयोगकर्ता हैं । पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को तकनीकी दक्षता प्राप्त करने के लिए उपयोगकर्ता जागरुकता तथा पुस्तकालय उन्मुखीकरण जैसे कार्यक्रम संचालित होते रहना चाहिए। जिससे पुस्तकालय उपयोगकर्ता अपनी आवयश्क सूचनाएं स्वंय पूंछ सके।

अध्ययन का उद्देश्य–

प्रस्तुत अध्ययन का मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में संचालित शासकीय महाविद्यालय के पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकता के उद्देश्यों को ध्यान में रखकर किया गया है इसके उद्देश्य निम्न अनुसार है।

1. उपयोगकर्ता द्वारा सूचना आवश्यकताओ के उपायों एवं उद्देश्यों की पहचान करना।
2. सूचना प्राप्त करने के दौरान आने वाली समस्याओं का अध्ययन करना ।
3. प्राप्त सूचनाओं से उपयोगकर्ताओं के दृष्टिकोण का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पना–

छिंदवाड़ा जिले के शासकीय महाविद्यालय पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकताओं को संग्रहित करने में पुस्तकालयों द्वारा दी जा रही सेवाओं, उपलब्ध संसाधनों एवं सूचना प्रौद्योगिकी के समय में उत्पन्न चुनौतियों से उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि के दृष्टिकोण में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

शोध का क्षेत्र–

भारत के मध्य में स्थित मध्य प्रदेश का महाकौशल क्षेत्र जिसका केंद्र बिंदु जबलपुर है, जहां से 200 किलोमीटर की दूरी पर स्थित छिंदवाड़ा जिला जो कि क्षेत्रफल की दृष्टि से मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा जिला है । वर्तमान में पांढुर्णा को छिंदवाड़ा से पृथक कर अलग जिला बना दिया गया है। यह क्षेत्र पूर्व में गोंडवाना साम्राज्य में सम्मिलित था। छिंदवाड़ा जिले में कुल 13 शासकीय महाविद्यालय संचालित है। पांढुर्णा जिले के 03 महाविद्यालय को छोड़कर 09 महाविद्यालयों को अध्ययन में सम्मिलित किया गया है। शेष चार महाविद्यालयों को शोध में शामिल नहीं किया क्योकि कुछ शासकीय महाविद्यालय चार से पांच वर्ष पूर्व ही स्थापित हुए हैं जिनके पास पर्याप्त संसाधन एवं स्वयं का भवन नहीं है, उन्हें शोध में सम्मिलित नहीं किया गया है । साथ ही जिले के अशासकीय महाविद्यालयों एवं विश्वविद्यालय को भी शोध में सम्मिलित नहीं किया है।

शोध साहित्य समीक्षा–:

जचक, कीर्ति एवं कश्यप संतूराम (2019) ने अपने रिसर्च पेपर भिलाई शहर के नर्सिंग महाविद्यालय के शिक्षकों का सूचना खोज व्यवहार में पुस्तकालय के सूचना स्त्रोतों का शिक्षकों द्वारा पुस्तकालय उपयोग की आवृत्ति एवं उद्देश्यों का पता लगाना है , जिसमें शिक्षकों द्वारा सूचना खोज के उद्देश्यों का पता लगाना , नर्सिंग महाविद्यालय शिक्षकों द्वारा सूचना खोज हेतु उपयोग किए जाने वाले सूचना स्रोतों की जानकारी प्राप्त करना , शिक्षकों द्वारा सूचना खोजने में उपयोग की जाने वाली आधुनिक तकनीक एवं ई रिसोर्स के उपयोग का अध्ययन किया गया है । उनके शोध कार्य में प्रश्नावली विधि का उपयोग कर 60 शिक्षकों से आंकड़े एकत्रित किए गए हैं जिससे जो परिणाम प्राप्त हुए उनमें महिला शिक्षकों की संख्या 13.33% है , अर्थात महिला शिक्षकों की संख्या पुरुष शिक्षकों की तुलना में बहुत अधिक है पुस्तकालय का प्रतिदिन सर्वाधिक उपयोग करने वाले शिक्षकों की संख्या 44.44% है । प्रतिदिन ई– रिसोर्स एवं इंटरनेट का उपयोग करने वाले शिक्षकों की संख्या 91.11% है । अध्ययन में पाया कि महिला शिक्षकों की संख्या 86% पुरुष शिक्षकों की संख्या 13% से अधिक है चयनित महाविद्यालय के सभी शिक्षकों द्वारा ग्रंथालयों का उपयोग किया जाता है । अर्थात शिक्षकों द्वारा सूचना की आवश्यकता अपने ज्ञान को अध्दतन करने शोध कार्यों को करने सेमिनार या वर्कशॉप में उपस्थित होने हेतु सूचना की आवश्यकता होती है।

खत्री,दीप्ति (2019) ने अपने शोध दिल्ली विश्वविद्यालय से संबंध महाविद्यालयों के उपयोगकर्ताओं की रीडिंग हैबिट्स एवं सूचना खोज व्यवहार पर शोध कार्य में पुस्तकालयअध्यक्षों एवं पुस्तकालय में पढ़ने वाले स्टाफ तथा स्नातक विद्यार्थियों की अलग–अलग प्रश्नावली के माध्यम से जो डाटा इकट्ठा किया उसमें अधिकांश स्नातक विद्यार्थी पुस्तकों या जर्नल्स को प्रिंटेड पढ़ना पसंद करते हैं इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का कम उपयोग करते हैं अधिकांश 89.9% विद्यार्थी पुस्तकालय पढ़ने आते हैं जिनमें 31.8 परसेंट छात्र मानवीकी विषयों के तथा 29.8% विज्ञान एवं 28.3% सामाजिक विज्ञान के विद्यार्थी होते हैं अंग्रेजी माध्यम वाले विद्यार्थी 73.5% हिंदी माध्यम 23.1% एवं 3.4 अन्य भाषाओं के विद्यार्थी पुस्तकालय की अध्ययन सामग्री का उपयोग करते हैं दिल्ली विश्वविद्यालय के सात कॉलेजों के पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को ऑनलाइन सेवाएं

देते हैं पांच पुस्तकालय ईमेल द्वारा सूचनाओं को भेजते हैं तथा चार पुस्तकालय वेब ओपेक सेवाएं प्रदान करते हैं

पूजा करैया (2022) बरकतउल्ला विश्वविद्यालय से संबंधित महाविद्यालय पुस्तकालयों में सूचना संसाधनों और सेवाओं के प्रति उपयोगकर्ताओं की जागरूकता – का अध्ययन से प्राप्त परिणामों से ज्ञात होता है कि बड़े शहर में स्थित महाविद्यालय ग्रंथालयों की स्थिति छोटे शहर से अधिक अच्छी है प्राप्त आंकड़ों से ज्ञात होता है कि 100% पुस्तकालयों में पुस्तकों का आदान–प्रदान किया जाता है इसके साथ–साथ पुस्तकालय की अन्य सेवाएं भी प्रदान की जाती हैं । विश्लेषण से ज्ञात होता है कि अन्य महाविद्यालय में नेटवर्क की समस्या अनुभव की गई परंतु बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के महाविद्यालय ग्रंथालयों में नेटवर्क सेवाओं की स्थिति बहुत अच्छी है । अतः पुस्तकालय अपने सूचना संसाधन एवं सेवाओं को वर्तमान आवश्यकता के अनुरूप विकसित एवं व्यवस्थित करें जिससे पुस्तकालय विज्ञान विषय में और अधिक अनुसंधान कार्य वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ किये जा सके।

चक्रवर्ती, सार्थक एवं चौधरी सब्ज कुमार (2022) ने अपने अध्ययन में आम नागरिकों की सूचना आवश्यकताओं सूचना के स्रोतों का चयन तथा सूचना खोजने में आने वाली समस्याओं का अध्ययन किया है इन्होंने अपने शोध पत्र में साक्षात्कार और प्रश्नावली विधि का उपयोग कर डाटा एकत्रित किए हैं। भारत के तटीय भागों में आए चक्रवाती तूफानों से पीड़ित व्यक्तियों की सूचना आवश्यकताओं की पहचान करना सूचना आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सूचना स्रोतों की प्रभावशीलता का पता लगाना है । चक्रवर्ती तूफानों के दौरान सूचना प्राप्त करने के मुख्य स्रोत मीडिया तथा मानव स्रोतों को अधिक प्रभावी एवं भरोसेमंद बतलाया गया है ।

प्राकृतिक आपदाओं के समय जानकारी प्राप्त करने तथा सूचना खोज व्यवहार पर अधिक शोध करने की आवश्यकता है । आपदाओं के समय लोगों को विभिन्न प्रकार की समस्याओं से जूझना पड़ता है यदि सही समय पर सूचनाओं का प्रचार प्रसार होता है तो कुछ हद तक मानव जीवन की रक्षा की जा सकती है।

पावर, प्रतिभा (2021) ने देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इंदौर के अंतर्गत कार्यरत शिक्षक का सूचना आवश्यकता एवं सूचना खोज व्यवहार पर अध्ययन किया है जिसमें पाया कि केंद्रीय विश्वविद्यालय पुस्तकालय के उपयोगकर्ता शिक्षक 40 से 50 वर्ष आयु वर्ग के 37% अधिकतर पुस्तकालय आते हैं, 34% उपयोगकर्ता साप्ताहिक तथा 20% 15 दिवस में एक बार पुस्तकालय का उपयोग करते हैं । 20% उपयोगकर्ता माह में एक बार ही पुस्तकालय आते हैं पुस्तकालय में उपलब्ध स्थान के बारे में 90% उपयोगकर्ता संतुष्ट पाए गए जबकि 10% असंतुष्ट दिखे। ई–संसाधनों का 62% उपयोगकर्ता हमेशा उपयोग करते हैं, जबकि 16% समय के अनुसार जरूरत होने पर, और 15% कभी–कभी ई– संसाधनों का उपयोग करते हैं पुस्तकालय में आईसीटी सेवाओं से 88% उपयोगकर्ता संतुष्ट हैं । विश्वविद्यालय पुस्तकालय से शिक्षक अपनी वर्तमान सूचनाएं खोजने में अधिक रुचि रखते हैं अतः अधिकांश शिक्षक उपयोगकर्ता विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेवाओं एवं उपलब्ध संसाधनों से संतुष्ट दिखाई दिए अतः संतुष्टि का स्टार 70 से 80 परसेंट दिखाई देता है ।

समंको का विश्लेषणः–

समंको के विश्लेषण की एक निश्चित प्रक्रिया है, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिकों ने प्राप्त समंको का वैज्ञानिक विधियों से संपादन, गुणस्थान, वर्गीकरण, संकेतिकरण एवं सारणीकरण का उपयोग कर उनका विशेषण करने की प्रक्रिया बतलाई। शोध कार्य में छिंदवाड़ा जिले के शासकीय स्नातक एवं स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पुस्तकालयों के उपयोगकर्ताओं विद्यार्थी, शोधार्थी एवं शिक्षकों से प्रश्नावली के माध्यम से डाटा एकत्रित किए गए । शोध में 180 विद्यार्थियों एवं 90 शिक्षकों से अलग–अलग आंकड़े एकत्रित किए गए। एक महाविद्यालय से 20 विद्यार्थी तथा 10 शिक्षक स्टाफ के आकडें लिए गए हैं।

सारणी क्रमांक 1 में कुल 13 महाविद्यालय छिंदवाड़ा जिले में संचालित हैं । सरल क्रमांक 1 से 9 तक के महाविद्यालय पूर्व से संचालित हैं, जिन्हें अध्ययन में शामिल किया गया है। 10 से 13 तक के महाविद्यालय 10 से 5 साल के बीच स्थापित हुए हैं । शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय छिंदवाड़ा जो कि सबसे प्राचीन महाविद्यालय है, उसमें सूचना प्राप्ति के संसाधन भी सबसे अधिक है। यह भी स्पष्ट होता है कि सभी महाविद्यालयों में कंप्यूटर उपलब्ध हैं और वहां इंटरनेट भी है। ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेयर के माध्यम से सभी महाविद्यालय में ऑटोमेशन की प्रक्रिया भी चल रही है ।

सारणी क्रमांक 2 में पुस्तकालय आने वाले उपयोगकर्ताओं की बारंबारता का अध्ययन किया गया है । सारणी से ज्ञात होता है कि सप्ताह में दो से तीन दिन आने वाले उपयोगकर्ताओं की संख्या अधिक है। उसमें विद्यार्थी और शिक्षक है । सबसे

कम माह में एक बार आने वाले उपयोगकर्ताओं का सबसे कम प्रतिशत है।

सारणी क्रमांक 3 से ज्ञात होता है कि अधिकतर उत्तरदाता पुस्तकालय में दोनों तरह की प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक सामग्री का उपयोग करते हैं। इसमें 57 एवं 50% उत्तरदाता दोनों तरह की पाठ्य सामग्री का उपयोग सूचना खोजने के लिए करते हैं।

सारणी क्रमांक 4 से स्पष्ट होता है कि अधिकतर उत्तरदाताओं का मत है कि पुस्तकालय आने का उनका उद्देश्य अध्ययन करने के लिए है। पुस्तकों का आदान–प्रदान, पुस्तकालय जागरूकता कार्यक्रम, संदर्भ सेवा एवं सूचना प्रौद्योगिकी सेवाओं के बारे में अधिकांश उत्तरदाताओं का मत स्पष्ट नहीं है। पुस्तकालय से पुस्तकों का लेनदेन करने वाले विद्यार्थियों का भी प्रतिशत अधिक देखा गया है।

सारणी क्रमांक 01. महाविद्यालयों की सामान्य जानकारी

क्र.	महाविद्यालय का नाम	महाविद्यालय कोड	स्थापना वर्ष	नेक ग्रेड	पुस्तकों की संख्या	कम्प्यूटर / की स्थिति	आटोमेशन / इंटरनेट की स्थिति
1.	शासकीय स्वाशासी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, छिन्दवाड़ा	3601	1961	"B"	67850	10	हां
2.	राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, छिन्दवाड़ा	3602	1982	"B^{++}"	51000	20	हां
3	शासकीय महाविद्यालय, तामिया	3603	1982	-	14600	02	हां
4	लक्ष्मीनारायण शासकीय पेंचव्हेली स्नातकोत्तर महाविद्यालय, परासिया	3604	1962	-	37156	05	हां
5	शासकीय महाविद्यालय, जुन्नारदेव	3605	1967	"B"	36940	05	हां
6	शासकीय महाविद्यालय, अमरवाड़ा	3606	1984	"C^{++}"	20120	02	हां
7	शासकीय महाविद्यालय, बिछुआ	3610	1989	"B''	25590	05	हां
8	शासकीय महाविद्यालय, दमुआ	3611	1989	-	15650	04	हां
9	शासकीय महाविद्यालय, हर्रई	3612	1989	-	9860	03	हां
10	शासकीय विधि महाविद्यालय, छिन्दवाड़ा	3613	2013	-	3218	01	हां
11	शासकीय महाविद्यालय, चांद	3614	2014	-	550	01	हां
12	शासकीय महाविद्यालय, उमरानाला	3615	2014	-	618	01	हां
13	शासकीय महाविद्यालय, चौरई	3616	2018	-	500	01	हां

सारणी क्रमांक 02. पुस्तकालय आने वाले उपयोगकर्ताओं की आवृत्ति

क्र	विवरण	विद्यार्थी एवं शोधार्थियों का विवरण		शिक्षक एवं अन्य स्टॉफ का विवरण	
1	प्रतिदिन	28%	50	20%	18
2	सप्ताह में 2 से 3 दिन	40%	72	20%	18
3	सप्ताह में एक बार	05%	9	20%	18
4	15 दिन में एक बार	10%	18	12%	11
5	माह में एक बार	04%	7	03%	3
6	कभी–कभी	13%	24	25%	22

सारणी क्रमांक 03. सूचना खोजने के स्त्रोत

क्र	विवरण	विद्यार्थी एवं शोधार्थियों का विवरण		शिक्षक एवं अन्य स्टॉफ का विवरण	
1	पुस्तके (प्रिंट सामग्री)	36%	65	19%	17
2	इलेक्ट्रॉनिक सामग्री	05%	8	11%	9
3	दोनो तरह की (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक)	50%	90	57%	52
4	जो भी उपलब्ध हो	09%	17	13%	12

सारणी क्रमांक 04. पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं का पुस्तकालय आने का उद्देश्य

क्र.	विवरण	विद्यार्थी एवं शोधार्थियों का विवरण		शिक्षक एवं अन्य स्टॉफ का विवरण	
1	अध्ययन करने	45%	81	31%	28
2	पुस्तकों का लेनदेन करने	22%	40	10%	9
3	सूचना एकत्रित करने	8%	14	10%	9
4	समाचार पत्र पत्रिकाएं पढ़ने	10%	18	19%	17
5	अध्ययन अध्यापन संबंधी नोट्स तैयार करने	14%	25	14%	13
6	शोध संबंधी कार्य करने	1%	2	16%	14

सारणी क्रमांक 05. पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि का स्तर

क्र	उपयोगकर्ता	बहुत अच्छा	अच्छा	संतोषजनक	कुछ कह नही सकते	खराब
1	विद्यार्थी एवं शोधार्थी	41%	38%	12%	5%	4%
2	शिक्षक एवं स्टॉफ	33%	53%	17%	-	-

सारणी क्रमांक 5 से स्पष्ट है कि पुस्तकालय में पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि का स्तर बहुत अच्छा है।

परिणाम एवं निष्कर्ष–:

शोध परिणाम से कुछ निष्कर्ष सामने आये हैं जो निम्नानुसार हैं–

सारणी क्रमांक 01 से ज्ञात होता है कि छिन्दवाड़ा जिले के अधिकतर शासकीय महाविद्यालय पूर्व से संचालित हैं। जिनमें पुस्तकें, इलेक्ट्रॉनिक स्त्रोत आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं। अतः इन महाविद्यालयों के पुस्तकालयों के आटोमेशन के संबंध में उपयोगकर्ताओं का दृष्टिकोण सार्थक पाया गया।

सारणी क्रमांक 02 में पुस्तकालय आने वाले उपयोगकर्ताओं की बारंबारता का अध्ययन किया गया है। पुस्तकालय के अधिकांश उपयोगकर्ता सप्ताह में 02 से 03 दिन आने वालों की आवृत्ति अधिक पाई गई है।

सारणी क्रमांक 03 से ज्ञात होता है कि उपयोगकर्ता पुस्तकालय में उपलब्ध संसाधनों में से दोनों तरह के संसाधनों (प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक) का उपयोग करते है।

सारणी क्रमांक 04 में पुस्तकालय आने वाले उपयोगकर्ताओं का उद्देश्य ज्ञात किया गया है जिसमें 45 प्रतिशत विद्यार्थी एवं 31 प्रतिशत शिक्षक पुस्तकालय में अध्ययन करने के उद्देश्य से आते हैं।

सारणी क्रमांक 05 से स्पष्ट होता है कि पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं को पुस्तकालय द्वारा दी जा रही सेवाओं एवं पुस्तकालय के संसाधनों की संतुष्टि का स्तर लगभग 41 प्रतिशत विद्यार्थी एवं 33 प्रतिशत शिक्षक का अच्छा पाया गया।

संदर्भ सूचीः–

1. जचक ,कीर्ति एवं कश्यप , संतु राम भिलाई शहर के नर्सिंग महाविद्यालय के शिक्षकों का सूचना खोज व्यवहार ग्रंथालय विज्ञान खंड 50 (2019) पृष्ठ 278–287

2. नटराजन, एम, इंफॉर्मेशन नीड्स एंड इंफॉर्मेशन सीकिंग बिहेवियर यूजर्स मंगेराम, आटोमेशन एंड डिजिटाईजेशन सॉप्टवेयर ऑफ लाईब्रेरी, पीपी 180–195

3. भूषणलाल देवांगन' (2019): अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, ग्रंथालय रायपुर के उपयोगकर्ताओं की सूचना आवश्यकता : एक अध्ययन, ग्रंथालय विज्ञान वाल्यूम 50. 2019 पीपी 253–260

4. सोनी, शंकर शंभू (2023), मध्यप्रदेश के सिवनी जिले के शासकीय महाविद्यालयों के पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं का सूचना खोज व्यवहार– एक अध्ययन, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ एप्लाईड एंड यूनिवर्सल रिसर्च वॉल्यूम 10, इसू 5, सितंबर–अक्टूबर 2023 पीपी 22–26

5. अहिरवार, सीएल (2024), मध्यप्रदेश के जबलपुर जिले के शासकीय महाविद्यालय पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं का सूचना खोज व्यवहार– एक अध्ययन, गीना शोध संगम, सितंबर–अक्टूबर 2024, वॉल्यूम 12, इसू 9–10, पेज 68–75